



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 290] नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 10, 2014/आश्विन 18, 1936

No. 290] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 10, 2014/ASVINA 18, 1936

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

(प्रधान कार्यालय, जयपुर)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2014

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (कर्मचारी) पेंशन विनियम (संशोधन), 1995

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की उप-धारा (1) एवं उप-धारा (2) के खण्ड (o) द्वारा प्रदत्त अधिकारों / शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक बोर्ड से परामर्श करके एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन पर स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 के निम्न विनियमों में संशोधन किया गया है:—

1. (1) यह विनियम स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (कर्मचारी) पेंशन (संशोधन) विनियम, 2014 के नाम से जाना जाएगा।

(2) जो भारत सरकार के गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।

2. स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 (जिसे बाद में पेंशन विनियम से संदर्भित किया गया है) के विनियम 2 के वाक्य (एन) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:

"(एन) कर्मचारी' से बैंक की सेवा में पूर्णकालिक कार्य के लिए स्थायी आधार पर या अंशकालिक कार्य के लिए स्थायी आधार पर वेतनमान पर नियोजित कोई कामगार या अधिकारी अभिप्रेत है और जिसने इन विनियमों द्वारा शासित होने के विकल्प का प्रयोग किया है और इन्हीं विनियमों द्वारा शासित होता है, किन्तु संविदा आधार या दैनिक मजदूरी आधार या समेकित मजदूरी पर नियोजित व्ययक्ति इसके अंतर्गत नहीं है,"

3. स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 (जिसे बाद में पेंशन विनियम से संदर्भित किया गया है) के विनियम 2 के वाक्य (ओ) के उप-वाक्य 3 के बाद उप-वाक्य 4 निम्न प्रकार समाहित किया जाएगा:-

"(4). माता-पिता जो कर्मचारी पर पूर्णतया आश्रित थे जब वह जीवित था / थी, परन्तु ऐसे मृत कर्मचारी के पीछे न तो विधवा / विधुर और न ही कोई संतान हो।"

4. पेंशन विनियम के विनियम 2 के वाक्य (एस) के उपवाक्य (ए) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

"(क) ऐसे कामगार, जो 1 जनवरी 1986 को या उसके पश्चात् किन्तु 1 नवम्बर 1992 के पूर्व सेवा निवृत्त हुआ हो या जिसकी सेवा के दौरान मृत्यु हो गई है, और ऐसे अधिकारी, जो 1 जनवरी 1986 को या उसके पश्चात् किन्तु 1 जुलाई 1993 के पूर्व सेवा निवृत्त हुआ हो या जिसकी सेवा के दौरान मृत्यु हो गई हो, की दशा में,—

(i) मूल वेतन, अवरुद्ध वेतन वृद्धि सहित है, अगर कोई हो और

(ii) भविष्य निधि में अंशदान करने के उद्देश्य एवं मंहगाई भत्ते के भुगतान हेतु भत्ते

5. पेंशन विनियम के विनियम 2 के वाक्य (एस) के उपवाक्य (बी) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

"(बी) ऐसे कामगार की दशा में, जो 1 नवम्बर 1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होता है या जिसकी सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है, और ऐसे अधिकारी की दशा में जो 1 जुलाई 1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होता है या जिसकी सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है,

(1) मूल वेतन, अवरुद्ध वेतन वृद्धि सहित है, अगर कोई हो; और

(2) भविष्य निधि में अंशदान करने के उद्देश्य एवं मंहगाई भत्ते के भुगतान हेतु गिने गये सभी भत्ते; और

(3) नियत वैयक्तिक भत्ता का वेतन वृद्धि भाग; और

(4) मंहगाई भत्ते की गणना 1960=100 श्रृंखला में औद्योगिक कर्मचारियों के लिये अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक औसत में सूचकांक 1148 अंकों तक ही की जाएगी।

6. पेंशन विनियम के विनियम 2 के वाक्य (एस) के उप-वाक्य (बी) के बाद उप-वाक्य (सी) निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा:—

"(ग) ऐसे कर्मचारी की दशा में जो 1 अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होता है या जिसकी सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है,

(i) मूल वेतन, अवरुद्ध वेतन वृद्धि सहित है, अगर कोई हो; और

(ii) भविष्य निधि में अंशदान करने के उद्देश्य एवं मंहगाई भत्ते के भुगतान हेतु गिने गये वेतन के सभी अन्य घटक; और

(iii) नियत वैयक्तिक भत्ता का वेतन वृद्धि भाग; और

(iv) उपरोक्त पर मंहगाई भत्ते की गणना 1960=100 श्रृंखला में औद्योगिक कर्मचारियों के लिये अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 1616 अंकों तक ही की जाएगी।

स्पष्टीकरण :

इस खण्ड के लिए मूल वेतन, वेतन के अन्य घटकों और नियत वैयक्तिक भत्ते का तात्पर्य लागू वेतनमान के अनुसार कर्मचारी द्वारा आहरित मूल वेतन, वेतन के अन्य घटकों और नियत वैयक्तिक भत्ते एवं वेतन के अन्य घटकों के लिए लागू दरों से है जो (कामगार की दशा में) 01.11.1997 से पूर्व एवं (अधिकारी की दशा में) 01.04.1998 से पूर्व देय थे।

7. पेंशन विनियम के विनियम 3 के उप-विनियम (1) के वाक्य (सी) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

"(सी) खण्ड (बी) में विनिर्दिष्ट एक सौ बीस दिनों की उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् साठ दिन के भीतर भविष्य निधि में बैंक के अंशदान की सम्पूर्ण रकम और उस पर प्रोद्भूत ब्याज, भविष्य निधि खातों के परिनिर्धारण की तारीख से बैंक की उक्त रकम लौटाने की तारीख तक **या 1 अप्रैल, 1995 तक, जो भी पहले हो,** उस रकम पर छह प्रतिशत की वार्षिक दर पर अतिरिक्त साधारण ब्याज के साथ वापस कर देते हैं।"

8. पेंशन विनियम के विनियम 3 के उप-विनियम (7) के वाक्य (बी) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

"(बी) उपर्युक्त खण्ड (ए) में विनिर्दिष्ट एक सौ बीस दिनों की उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् साठ दिन के भीतर भविष्य निधि में बैंक के अंशदान की सम्पूर्ण रकम और उस पर प्रोद्भूत ब्याज, भविष्य निधि खातों के परिनिर्धारण की तारीख से बैंक को उस रकम लौटाने की तारीख तक **या 1 अप्रैल, 1995 तक, जो भी पहले हो,** उस रकम पर छह प्रतिशत की वार्षिक दर से अतिरिक्त साधारण ब्याज के साथ वापस कर देता है।"

9. पेंशन विनियम के विनियम 3 के अन्त में नया उप-विनियम (10) निम्न प्रकार समाहित किया जाएगा:—

"(10) उप-विनियमों (2), (5), (6) एवं (8) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जहाँ कर्मचारी पहली नवम्बर, 1993 को या इसके बाद परन्तु पहली अप्रैल, 1995 को या इससे पूर्व सेवानिवृत्त / मृत हो गया था या जहाँ कर्मचारी पहली नवम्बर, 1993 को या इसके बाद परन्तु पहली अप्रैल, 1995 को या इससे पूर्व सेवा में रहते हुए मृत हो जाने की दशा में, ऐसे कर्मचारी या मृत कर्मचारी के कुटुम्ब, जैसा भी मामला हो, उपरोक्त वर्णित उप-विनियमों में विनिर्दिष्ट अवधि में भविष्य निधि में बैंक के अंशदान की सम्पूर्ण रकम और उस पर

प्रोद्भूत ब्याज, भविष्य निधि खातों के परिनिर्धारण की तारीख से बैंक को वह रकम लौटाने की तारीख तक या 1 अप्रैल, 1995, जो भी पहले हो, तक उस रकम पर छह प्रतिशत वार्षिक दर से अतिरिक्त साधारण ब्याज के साथ लौटानी होगी।

10. पेंशन विनियम के विनियम 12 को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

"12. निधि का निवेश - निधि में अंशदान की गई या प्राप्त हुई या अधिसूचित तारीख के पश्चात ब्याज के रूप में या अन्यथा प्रोद्भूत संपूर्ण राशि भारत में डाक घर बचत बैंक खाते या किसी अनिसूचित बैंक के चालू खाते या बचत खाते में जमा की जा सकेगी या पेंशन विनियम में उल्लेखित पेंशन संबंधी लाभों के भुगतान हेतु उपयोग में लाई जाएगी एवं ऐसी राशि जो उपयोग में नहीं लाई गई अथवा जमा नहीं की गई, को आय-कर कानून, 1962 के नियम 67 के उप-नियम (2) में उल्लेखित पद्धति के अनुसार निवेशित की जायेगी।"

11. पेंशन विनियम के विनियम 18 के अन्त में निम्न प्रावधान समाहित किया जाएगा:-

"परन्तु किसी कर्मचारी की पेंशन की पात्रता हेतु न्यूनतम सेवा अवधि का निर्धारण करने के लिए इस विनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे।"

12. पेंशन विनियम के विनियम 27 के उप-विनियम (2) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

"(2) - किसी अंशकालिक कर्मचारी, की पेंशन की रकम की संगणना के प्रयोजन के लिए जो कि प्रारम्भ में निम्नतर मजदूरी पर नियुक्त किया गया था / हैं एवं बाद में पूर्ण वेतन सहित उच्च मजदूरी मान पर स्थापित किया गया हो, की अर्हक सेवा का निर्धारण परिशिष्ट 4 के अनुसार किया जाएगा।"

13. पेंशन विनियम के विनियम 27 के अन्त में नया उप-विनियम (3) निम्न प्रकार समाहित किया जाएगा:-

"(3) उन अंशकालिक कर्मचारियों, जो अपने नियुक्ति से लगातार एक ही मजदूरी मान पर हैं, की पेंशन राशि की संगणना हेतु, उनके द्वारा की गई वास्तविक सेवा अवधि को ही अर्हक सेवा गिना जायेगा। ऐसे मामलों में सेवानिवृत्ति के समय वेतन मान पर वास्तविक आहरित वेतन को ही औसत देय राशि के रूप में गिना जाएगा।

टिप्पण

वास्तविक सेवा / अर्हक सेवा की गणना नियुक्ति की तिथि या 01.09.1978, जो भी बाद में हो, से की जायेगी।"

14. पेंशन विनियम के विनियम 32 के वाक्य (ए) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जायेगा:-

"(ए) न्यूनतम दस वर्ष की सेवा कर चुका हो; और"

15. पेंशन विनियम के विनियम 33 के उप विनियम (1) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

"(1) पहली नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् सेवा से शास्ति के रूप में अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्ति किये गये कर्मचारी को, अधिकारी सेवा विनियम 1979 या अवार्ड / समझौते के अनुसार सक्षम प्राधिकारी से उच्चतर प्राधिकारी द्वारा उस दर से पेंशन स्वीकृत की जा सकती है जो उसे देय पेंशन के दो तिहाई से कम न हो और उसकी अनिवार्य सेवानिवृत्ति की तारीख को उसे स्वीकृत उस पूरी पेंशन से अधिक न हो, यदि वह अन्यथा उस तारीख को अधिवर्षिता पर ऐसी पेंशन का पात्र होता।"

16. पेंशन विनियम के विनियम 34 के उप-विनियम (2) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

"(2) विनियम 3 के उप-विनियम (7) में अंतर्विष्ट उपबंधों द्वारा शासित मृत कर्मचारी का कुटुम्ब, 1 नवम्बर 1993 से पेंशन या कुटुम्ब पेंशन जैसा भी मामला हो, का पात्र होगा।"

17. पेंशन विनियम के विनियम 35 के उप विनियम (1) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जायेगा:-

"(1) मूल पेंशन और अतिरिक्त पेंशन, जहां भी लागू हो, को परिशिष्ट 1 में दिए गए सूत्र के अनुसार अद्यतन किया जाएगा।"

18. पेंशन विनियम के विनियम 36 के वाक्यों (ए) (बी) व (सी) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

न्यूनतम पेंशन : न्यूनतम पेंशन की रकम इस प्रकार होगी :-

(ए) अंशकालिक कर्मचारी से भिन्न सेवानिवृत्ति कर्मचारी, जहाँ कर्मचारी पहली नवम्बर, 1992 (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 (अधिकारियों की दशा में) से पूर्व सेवानिवृत्त हो गये थे, को तीन सौ पचहत्तर रुपये प्रति मास और अंशकालिक कर्मचारी की दशा में जो पहली नवम्बर, 1992 से पूर्व सेवानिवृत्त हो गये थे, संबंधित मजदूरी मान की दर के अनुसार आनुपातिक पेंशन की राशि।

(बी) अंशकालिक कर्मचारी से भिन्न सेवानिवृत्त कर्मचारी जहाँ कर्मचारी पहली नवम्बर, 1992 (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 (अधिकारियों की दशा में) को अथवा उसके बाद सेवानिवृत्त हो गये थे, को सात सौ बीस रुपये प्रति मास और अंशकालिक कर्मचारी की दशा में जो पहली नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गये थे, संबंधित मजदूरी मान की दर के अनुसार आनुपातिक पेंशन की राशि

(सी) पहली अप्रैल, 1998 को या उसके बाद अंशकालिक कर्मचारी से भिन्न सेवानिवृत्त कर्मचारी की दशा में एक हजार पन्द्रह रुपये प्रति मास और एक-तिहाई वेतन मान पर अंशकालिक कर्मचारी की दशा में तीन सौ उन्नालीस रुपये प्रति माह, अर्द्ध वेतन मान पर अंशकालिक कर्मचारी की दशा में पांच सौ आठ रुपये प्रति माह एवं तीन-चौथाई वेतन मान पर अंशकालिक कर्मचारी की दशा में सात सौ बासठ रुपये प्रति माह अंशकालिक कर्मचारी पहली अप्रैल, 1998 को अथवा उसके बाद सेवानिवृत्त हुए।

19. पेंशन विनियम के विनियम 39 के उप-विनियम (1) के वाक्य (सी) के बाद निम्न प्रावधान समाहित किया जाएगा:-

"परन्तु उन कर्मचारियों के संबंध में जो पहली जनवरी, 1986 को या इसके बाद बैंक सेवा में थे एवं 31 अक्तूबर, 1987 को या इसके पूर्व सेवा में रहते हुए मृत हो गए या 31 अक्तूबर, 1987 को या इसके पूर्व सेवानिवृत्त हो गए परन्तु बाद में मृत हो गए, मृतक कर्मचारी का कुटुम्ब, कुटुम्ब पेंशन के लिए पात्र होगा जिसकी गणना परिशिष्ट 5 के अनुसार की जाएगी।"

20. पेंशन विनियम के विनियम 39 के वाक्य (ए) के उप-वाक्य (2) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

सेवानिवृत्त के पश्चात् कर्मचारी की मृत्यु की दशा में, इस उप-विनियम के खण्ड (ए) के अधीन यथा अवधारित कुटुम्ब पेंशन कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के ठीक बाद की तारीख के सात वर्ष के लिए या उस तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के लिए जिस तारीख को सेवानिवृत्त मृत कर्मचारी यदि वह जीवित रहा होता तो पैसठ वर्ष की आयु का हो जाता, उनमें से जो भी कम हो संदेय होगी।

परन्तु यह कि किसी भी मामले में इस खण्ड के तहत अवधारित की गयी कुटुम्ब पेंशन की रकम बैंक से सेवानिवृत्ति पर अधिकृत पेंशन से अधिक नहीं होगी। यदि किसी कर्मचारी की बैंक से सेवानिवृत्त पर अधिकृत पेंशन, सामान्य दरों पर कुटुम्ब पेंशन की रकम से कम हैं तो कुटुम्ब को कुटुम्ब पेंशन सामान्य दरों पर अनुमत की जाएगी।

स्पष्टीकरण :

इस खण्ड के प्रयोजन के लिए, सेवानिवृत्ति पर अधिकृत पेंशन में पेंशन का वह भाग भी सम्मिलित है जो सेवानिवृत्त कर्मचारी ने मृत्यु से पूर्व संराशीकृत किया हो,

21. पेंशन विनियम के विनियम 40 के वाक्य (बी) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

पुत्र या पुत्री (विधवा / तलाकशुदा सहित) की दशा में, जब तक उसकी आयु पच्चीस वर्ष नहीं हो जाती या जब तक कि उसका विवाह / पुनर्विवाह नहीं हो जाता, इनमें से जो भी पहले हो।

परन्तु पुत्रों / पुत्रियों (विधवा / तलाकशुदा सहित) को देय ऐसी कुटुम्ब पेंशन जारी नहीं रहेगी / अनुजेय नहीं होगी, जब ऐसा पात्र पुत्र / पुत्री प्रति माह रुपये 2550/- से अधिक की आय सरकारी / निजी क्षेत्र में नियोजन / स्व-नियोजन, इत्यादि से अर्जित करना प्रारम्भ कर देता है / कर देती है:

परन्तु आगे यदि किसी कर्मचारी का पुत्र या पुत्री किसी मानसिक विकार या निःशक्ता से पीड़ित है या शारीरिक रूप से विकलांग या निःशक्त है, जिससे कि वह पच्चीस वर्ष की आयु का होने के बाद भी जीविकोपार्जन में असमर्थ है तो ऐसे पुत्र या पुत्री को आजीवन कुटुम्ब पेंशन निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए संदेय होगी, अर्थात्-

(1) यदि ऐसा पुत्र या पुत्री कर्मचारी के दो या अधिक संतानों में से एक है तो आरम्भ में कुटुम्ब पेंशन का संदाय उप-विनियम (1) के खण्ड (ई) में निर्धारित क्रम में अवयस्क संतानों को किया जाएगा जब तक कि अंतिम अवयस्क संतान पच्चीस वर्ष की आयु की नहीं हो जाती और तत्पश्चात् कुटुम्ब पेंशन, मानसिक विकार या निःशक्तता से ग्रस्त अथवा शारीरिक रूप से विकलांग या निःशक्तता पुत्र या पुत्री के पक्ष में पुनः प्रारम्भ की जाएगी और उसे आजीवन संदेय होगी;

(2) यदि मानसिक विकार या निःशक्तता से ग्रस्त या शारीरिक रूप से विकलांग या निःशक्तता एक से अधिक संतानें हैं तो उनकी जन्म की तारीख के क्रम में पेंशन का संदाय किया जाएगा और उनमें से कनिष्ठ संतान को कुटुम्ब पेंशन तभी मिलेगी जब उससे ठीक ज्येष्ठ संतान की पात्रता समाप्त हो जाती है :

परन्तु यहां कुटुम्ब पेंशन ऐसी जुड़वा संतान को संदेय है वहां इसका संदाय उप-विनियम (1) के खण्ड (एफ) में दी गई रीति से किया जाएगा।

(3) उस दशा के सिवाय जिनमें शारीरिक रूप से विकलांग पुत्र या पुत्री वयस्क है, ऐसे पुत्र या पुत्री को संरक्षक के माध्यम से कुटुम्ब पेंशन का संदाय किया जाएगा मानों वह अवयस्क हो,

(4) ऐसे पुत्र या ऐसी पुत्री को आजीवन कुटुम्ब पेंशन मंजूर करने से पहले सक्षम प्राधिकारी अपना यह समाधान कर लेगा कि विकलांगता की प्रकृति ऐसी है कि वह अपनी जीविका उपार्जित करने में असमर्थ है और इसके लिए बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण-पत्र होगा, जिसमें संतान की सही शारीरिक या मानसिक स्थिति, यथासंभव, बतायी गयी होगी,

(5) ऐसे पुत्र या पुत्री के संरक्षक के रूप में कुटुम्ब पेंशन प्राप्त करने वाला व्यक्ति या बिना संरक्षक के माध्यम के कुटुम्ब पेंशन लेने वाला पुत्र या पुत्री प्रत्येक तीसरे वर्ष बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा कि वह अब भी मानसिक विकार या निःशक्तता से ग्रस्त है या अब भी शारीरिक रूप से विकलांग या निःशक्ति हैं।

स्पष्टीकरण - इस विनियम में विनिर्दिष्ट आयु सीमा से अधिक निःशक्ति संतानों को कुटुम्ब पेंशन की मंजूरी निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी, अर्थात्

(1) पुत्री का विवाह हो जाने पर वह विवाह होने की तारीख से इस उप-विनियम के अधीन कुटुम्ब पेंशन के लिए अपात्र हो जाएगी।

(2) यदि ऐसा पुत्र या पुत्री अपनी जीविका उपाजित करने लग जाता है या जाती है तो उसे संदेय कुटुम्ब पेंशन बंद कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में संरक्षक या पुत्र या पुत्री का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रत्येक मास बैंक को यह प्रमाण-पत्र दे कि

(अ) उसने जीविकोपार्जन करना आरम्भ नहीं किया है।

(ब) पुत्री की दशा में उसका अभी विवाह नहीं हुआ है।

22. पेंशन विनियम के विनियम 40 के वाक्य (सी) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जायेगा:-

"(ग) माता-पिता की दशा में, यदि उनमें से किसी एक की आय या दोनों की समेकित आय सरकारी/निजी क्षेत्र में नियोजन/स्व-नियोजन, इत्यादि से रुपये 2550/- प्रति माह से अधिक है तो कुटुम्ब पेंशन जारी नहीं रहेगी अथवा अनुज्ञेय नहीं होगी।"

23. पेंशन विनियम के विनियम 40 के उप विनियम 4 को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जायेगा:-

उस दशा में जब पति और पत्नी दोनों बैंक के कर्मचारी हों और इस विनियम के उपबंधों द्वारा शासित हैं और उनमें से एक की मृत्यु सेवा काल में या सेवानिवृत्ति के पश्चात् हो जाती है तो मृत कर्मचारी की बाबत कुटुम्ब पेंशन, यथास्थिति, उत्तरजीवी पति या पत्नी को संदेय होगी और पति या पत्नी की मृत्यु होने पर मृत माता-पिता के सम्बन्ध में उत्तरजीवी संतान या संतानों को दो कुटुम्ब पेंशनों की मंजूरी नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं के अधीन रहते हुए की जाएगी, अर्थात् :

यदि उत्तरजीवी संतान या संतानें विनियम 39 के उप विनियम (3) के खण्ड (ए) के उप खण्ड (1) एवं खण्ड (ख) के उप खण्ड (1) में उल्लिखित दरों पर दो कुटुम्ब पेंशनों को पाने के पात्र है तो दोनों पेंशनों की रकम की सीमा इस प्रकार होगी :

(1) ऐसे कर्मचारी जो पहली नवम्बर, 1992 को या उसके पूर्व (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 से पूर्व (अधिकारियों की दशा में) सेवानिवृत्त हो गए या उनकी मृत्यु हो गई है के सम्बन्ध में रु. 2500/- प्रति माह केवल।

(2) ऐसे कर्मचारी की जो पहली नवम्बर, 1992 को या इसके बाद (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 को या इसके बाद (अधिकारियों की दशा में) सेवानिवृत्त हो गए या उनकी मृत्यु हो गई है के सम्बन्ध में रु. 4800/- प्रति माह केवल, और

(3) ऐसे कर्मचारी/अधिकारी जो पहली अप्रैल, 1998 को या इसके बाद सेवानिवृत्त हो गए या उसकी मृत्यु हो गई है के सम्बन्ध में रु. 6756 प्रति माह केवल।

यदि दोनों पेंशनों विनियम 39 के उप विनियम (3) के खण्ड (ए) के उप खण्ड (1) में या खण्ड (बी) या उप खण्ड (1) में उल्लिखित दरों पर देय कुटुम्ब पेंशन में से एक मिलना बन्द हो जाती है और उसके स्थान पर विनियम 39 के उप विनियम (1) में उल्लिखित दर पर कुटुम्ब पेंशन संदेय हो जाती है तो उस कर्मचारी की बाबत जो पहली नवम्बर, 1993 के पूर्व सेवानिवृत्त हो गया था या सेवा काल में उसकी मृत्यु हो गई थी, दोनों पेंशनों की रकम तक सीमित होगी-

(1) ऐसे कर्मचारी जो पहली नवम्बर, 1992 से पूर्व (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 से पूर्व (अधिकारियों की दशा में) सेवानिवृत्त हो गए या उनकी मृत्यु हो गई है, के सम्बन्ध में रु. 2500 प्रति माह केवल;

(2) ऐसे कर्मचारी जो पहली नवम्बर, 1992 को या इसके बाद (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 को या इसके बाद (अधिकारियों की दशा में) सेवानिवृत्त हो गए या उनकी मृत्यु हो गई है, के सम्बन्ध में रु. 4800/- प्रति माह केवल; और

(3) ऐसे कर्मचारी/अधिकारी जो पहली अप्रैल, 1998 को या इसके बाद सेवानिवृत्त हो गए या उनकी मृत्यु हो गई है, के सम्बन्ध में रु. 6756/- प्रति माह केवल।

यदि दोनों कुटुम्ब पेंशन विनियम 39 के उप विनियम (1) में उल्लिखित दर पर संदेय है तो पेंशन राशि की सीमा इस प्रकार होगी -

(1) ऐसे कर्मचारी जो पहली नवम्बर, 1992 से पूर्व (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 से पूर्व (अधिकारियों की दशा में) सेवानिवृत्त हो गए या सेवा में रहते हुए उनकी मृत्यु हो गई है, के सम्बन्ध में रु. 1250/- प्रति माह केवल;

(2) ऐसे कर्मचारी जो पहली नवम्बर, 1992 को या इसके बाद (कामगार की दशा में) या पहली जुलाई, 1993 को या इसके बाद (अधिकारियों की दशा में) सेवानिवृत्त हो गए या उनकी मृत्यु हो गई है, के सम्बन्ध में रु. 2400/- प्रति माह केवल; और

(3) ऐसे कर्मचारी/अधिकारी जो पहली अप्रैल, 1998 को या इसके बाद सेवानिवृत्त हो गए या उनकी मृत्यु हो गई है, के सम्बन्ध में रु. 3378/- प्रति माह केवल ।

24. पेंशन विनियम के विनियम 40 के उप विनियम 5 के वाक्य (सी) को निम्न तरह से प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

"परन्तु यह कि इस प्रकार की संतान या संतानों या विधवा या विधवाओं को जब कुटुम्ब पेंशन के अंश यह संदेय नहीं रहते हैं तब वह रकम व्यपगत नहीं होगी बल्कि वह दूसरी विधवा या विधवाओं को जो इसके लिए अन्यथा पात्र होंगे, समान भागों में संदेय होगी या यदि केवल एक ही विधवा या संतान हो तो उसे पूरी रकम संदेय होगी ।"

25. पेंशन विनियम के विनियम 40 के उप विनियम (5) के वाक्य (सी) के बाद एक नया वाक्य निम्न प्रकार समाहित किया जाएगा:-

"जहां मृतक कर्मचारी या पेंशनभोगी की विधवा/विधुर जीवित हैं लेकिन तलाकशुदा पत्नी/पत्नियों से पात्र संतान अथवा संतानें छोड़ गया है तो ऐसी पात्र संतान अथवा संतानें पारिवारिक पेंशन के उस हिस्से के लिए अधिकारी होंगे जो उसकी माता को कर्मचारी या पेंशनर की मृत्यु पर देय होती यदि उसने ऐसा तलाक नहीं दिया होता ।

परन्तु यह कि इस प्रकार की संतान या संतानों या एक विधवा को जब कुटुम्ब पेंशन के अंश संदेय नहीं रहते हैं तब वह रकम व्यपगत नहीं होगी बल्कि वह दूसरी विधवा या विधवाओं एवं/अथवा अन्य संतान/संतानों को जो इसके लिए अन्यथा पात्र होंगे, समान भागों में संदेय होगी या यदि केवल एक ही विधवा या संतान हो तो उसे पूरी रकम संदेय होगी ।"

26. पेंशन विनियम के विनियम 41 के उप विनियम (4) में वर्णित टिप्पणियाँ निम्न प्रकार प्रतिस्थापित की जायेगी:—

***टिप्पणी**

उपर्युक्त सारणी पेंशनभोगी की अगली जन्मतिथि पर उसकी आयु के संदर्भ में वर्ष की क्रम संख्या के रूप में अभिव्यक्त पेंशन संराशीकरण मूल्य दर्शाती हैं । अट्ठावन वर्ष की आयु पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी के मामले में संराशीकृत मूल्य 10.46 वर्ष का क्रय है, और यदि वह अपनी सेवा नियुक्त से एक वर्ष के भीतर अपनी मासिक पेंशन से रूपये एक सौ संराशित करता है तो उसे संदेय एक मुश्त राशि रूपये $100 \times 10.46 \times 12 = 12,552/-$ होगी ।"

27. पेंशन विनियम के विनियम 41 में नया उप विनियम (5) निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा:-

"(5) कोई कर्मचारी जिसने अपनी पेंशन के अनुज्ञात भाग का संराशीकरण किया है, संराशीकरण की तारीख से पन्द्रह वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् संराशीकृत भाग की पेंशन को पुनः प्राप्त करने का हकदार होगा ।

28. पेंशन विनियम के विनियम 41 में नया उप विनियम (6) निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा:-

"(6) कोई आवेदक जो अधिवर्षिता पेंशन, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पेंशन, समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन, अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन, आशक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता के लिए प्राधिकृत है इन विनियमों के अधीन अपनी पेंशन के भिन्न का संराशीकरण कराने का हकदार होगा ।

परन्तु यह कि 1.07.2003 को एवं इसके बाद ऐसे आवेदकों के मामलों में, जिन्हें पेंशन के संराशीकृत मूल्य का भुगतान उसकी सेवानिवृत्ति के बाद की तिथि को संदेय होता है या उस दिन जब संराशीकरण आत्यांतिक होता है, संराशीकरण के कारण पेंशन राशि में होने वाली कमी पेंशन प्रारम्भ से ही लागू होगी तथापि, जहाँ पेंशन की संराशीकृत मूल्य का भुगतान, सेवानिवृत्ति के एक माह बाद या संराशीकरण के आत्यांतिक होने के एक माह बाद, जैसा भी मामला हो, नहीं किया जा सका, सामान्य पेंशन एवं संराशीकृत पेंशन के अन्तर का भुगतान, संराशीकरण आत्यांतिक होने की तिथि एवं पेंशन के संराशीकृत मूल्य के भुगतान माने जाने के ठीक पूर्व की तिथि के बीच की अवधि के लिए किया जाएगा ।"

29. पेंशन विनियम के विनियम 41 में नया उप विनियम (7) निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा:-

"(7) ऐसे पेंशनभोगी की दशा में जो अधिवर्षिता पेंशन या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पेंशन या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन का पात्र हैं, कोई चिकित्सीय जाँच आवश्यक नहीं होगी, यदि आवेदक संराशीकरण के लिए आवेदन सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर किया जाता है / देता है । तथापि, यदि ऐसा पेंशनभोगी सेवानिवृत्ति से एक वर्ष के पश्चात् पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता है तो इस प्रकार की अनुमति चिकित्सीय परीक्षा के अधीन होगी ।

परन्तु यह कि आवेदक यदि विनियम 46 के अन्तर्गत अनंतिम पेंशन प्राप्त कर रहा है एवं जिसकी पूर्ण या आंशिक पेंशन विभागीय या न्यायिक कार्यवाही पूर्ण होने के अन्तर्गत अधिकृत किये जाने की दशा में, इस उप विनियम में संदर्भित एक वर्ष की अवधि को विभागीय या न्यायिक कार्यवाही के पूर्ण होने के परिणामस्वरूप जारी आदेशों की तिथि से गिना जाएगा ।"

30. पेंशन विनियम के विनियम 41 में नया उप विनियम (8) निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा:-

"(8) कोई आवेदक जो ...

- (1) इन विनियमों के विनियम 30 के अधीन अशक्त पेंशन पर सेवानिवृत्त होता है, या
 (2) इन विनियमों के विनियम 31 के अधीन अनुकंपा भत्ता प्राप्त करता है, या
 (3) बैंक द्वारा अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किया गया है और विनियम 33 के अधीन अनिवार्य सेवानिवृत्त पेंशन पाने का पात्र है।
 उप विनियम (1) में विनिर्दिष्ट सीमा के अधीन रहते हुए पेंशन के किसी भिन्न संराशीकरण के लिए पात्र तभी होगा जब बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा उसे स्वस्थ घोषित कर दिया जाए।"

31. पेंशन विनियम के विनियम 41 में नया उप विनियम (9) निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा:-

"(9) ऐसे किसी कर्मचारी की दशा में -

(क) जो अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक आधार पर सेवानिवृत्त होकर सेवानिवृत्ति की तारीख के पूर्व पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता है, पेंशन का संराशीकरण सेवानिवृत्ति की तारीख के ठीक बाद की तारीख को आत्यंतिक होगा।

परन्तु यह कि विनियम 29 के उप विनियम (3) द्वारा शासित कर्मचारी अपने पेंशन के किसी भाग के संराशीकरण के लिए तीन मास की सूचना की अवधि समाप्त होने के पूर्व आवेदन नहीं करेगा और पेंशन का संराशीकरण विनियम 29 के उप विनियम (1) में दी गई सूचना की अवधि के समाप्त होने के पश्चात् ही आत्यंतिक होगा।

(बी) जो अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक आधार पर या सेवानिवृत्त होकर या समय पूर्व सेवानिवृत्त होकर सेवानिवृत्ति की तारीख के पश्चात् किन्तु सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर यदि वह पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता है तो पेंशन का संराशीकरण सक्षम प्राधिकारी द्वारा संराशीकरण के लिए आवेदन प्राप्त किए जाने की तारीख को आत्यंतिक होगा।

(सी) जो अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक आधार पर सेवानिवृत्त होकर या समयपूर्व सेवानिवृत्त होकर यदि वह सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के बाद संराशीकरण के लिए आवेदन करता है तो पेंशन का संराशीकरण बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा चिकित्सीय प्रमाणपत्र की तारीख को आत्यंतिक होगा।

(डी) जो पहली नवम्बर, 1993 के पहले सेवानिवृत्त हो चुका है और जो की इन विनियमों के अधीन शासित होने के विकल्प का प्रयोग करता है। यदि विनियम 3 के उप विनियम (1) खण्ड के (बी) द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर संराशीकरण के लिए आवेदन करता है, तो पेंशन का संराशीकरण पहली नवम्बर, 1993 से आत्यंतिक होगा।

(ई) जो पहली नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा में था किन्तु जो इन विनियमों के प्रकाशन के पूर्व सेवानिवृत्त हो गया है, यदि विनियम 3 के उप विनियम (2) खण्ड के (बी) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर आवेदन करता है तो पेंशन का संराशीकरण उसके सेवानिवृत्त होने की तारीख के ठीक बाद के दिन आत्यंतिक होगा।

(एफ) जो पहली नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होता है किन्तु अधिसूचित तारीख से पूर्व जिसकी मृत्यु हो जाती है, यदि मृत कर्मचारी के कुटुम्ब द्वारा विनियम 3 के उप विनियम (5) के खण्ड (ए) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर संराशीकरण के लिए आवेदन किया गया है तो पेंशन का संराशीकरण उसके सेवानिवृत्त होने की तारीख के ठीक बाद के दिन आत्यंतिक होगा।

(जी) जिसकी बाबत विनियम 30 के अधीन अशक्त पेंशन या विनियम 31 के अधीन अनुकंपा भत्ता या विनियम 33 के अधीन अनिवार्य सेवानिवृत्त पेंशन अनुज्ञेय हैं, पेंशन का संराशीकरण बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र की तारीख को आत्यंतिक होगा।"

32. पेंशन विनियम के विनियम 48 के उप विनियम (1) को निम्न प्रकार प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

"(1) यदि किसी विभागीय या न्यायिक कार्यवाही में किसी पेंशनभोगी को अपनी सेवा की अवधि के दौरान गम्भीर अवचार या उपेक्षा या आपराधिक न्यासभंग या कूटरचना या कपटपूर्ण व्यवहार का दोषी पाया जाता है तो पेंशनभोगी के कारण बैंक को हुई धन-संबंधी हानि के लिए सक्षम प्राधिकारी स्थायी रूप से या किसी भी विनिर्दिष्ट अवधि के लिये उसकी पेंशन या उसके किसी भाग को रोक सकता है। प्रत्याहृत कर सकता है और पूरी रकम या उसके किसी भाग के पेंशन से वसूल करने का आदेश दे सकता है। परन्तु यह कि किसी अंतिम आदेश को पारित करने से पूर्व बोर्ड से परामर्श किया जाएगा। परन्तु यह और कि यदि विभागीय कार्यवाहियाँ यदि कर्मचारी के सेवाकाल में संस्थित की गई है तो कर्मचारी के सेवानिवृत्त हो जाने पर वे इस विनियम के अधीन कार्यवाहियाँ समझी जाएंगी और इन कार्यवाहियों को प्रारम्भ करने वाले प्राधिकारी द्वारा उन्हें इस प्रकार चालू रखा जाएगा और पूरा किया जाएगा मानों कर्मचारी सेवा में बना हुआ है।"

33. पेंशन विनियम के विनियम 48 के उप विनियम (2) को निम्न प्रकार प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

"(2) यदि कोई विभागीय कार्यवाही कर्मचारी के सेवाकाल में प्रारम्भ नहीं की गई है तो किसी ऐसे बाद हेतु या ऐसी घटना की बाबत जो कार्यवाही संस्थित किए जाने की तारीख से चार वर्ष पूर्व उद्भूत हुआ हो या हुई हो, कोई विभागीय कार्यवाही संस्थित नहीं की जाएगी।

परन्तु यह कि ऐसी संस्थित की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही कर्मचारी विशेष के संबंध में उसकी सेवा अवधि के दौरान लागू अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रक्रिया के अनुसार होगी।"

34. पेंशन विनियम के विनियम 48 में नया उप विनियम (3) निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा:-

"(3) जहां सक्षम प्राधिकारी धन संबंधी हानि की वसूली पेंशन में से करने का आदेश देता है वहाँ ऐसी वसूली सामान्यतया सेवानिवृत्ति की तारीख को अनुज्ञेय पेंशन के एक-तिहाई भाग से अधिक दर पर नहीं की जाएगी।

परन्तु जहाँ पेंशन का कोई भाग रोक लिया जाता है या प्रत्याहृत किया जाता है तो वहां पेंशनभोगी की पेंशन राशि इन विनियमों के अधीन संदेय न्यूनतम पेंशन राशि से कम नहीं की होगी।"

35. पेंशन विनियम का परिशिष्ट 1 निम्न प्रकार प्रतिस्थापित किया जायेगा :

परिशिष्ट 1

(विनियम 35 देखिए)

पहली जनवरी, 1986 और 31 अक्टूबर, 1987 के बीच सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के संबंध में मूल पेंशन और अतिरिक्त पेंशन के अद्यतन करने का सूत्र निम्नलिखित रूप में होगा :

1. (ए) मूल पेंशन में निम्नलिखित राशि की वृद्धि की जाएगी:

(ए) पेंशन के लिए गणना किए जाने योग्य औसत परिलब्धियों के

प्रथम रुपये 1000 का 50 प्रतिशत रुपये

(बी) अगले रुपये 500 का 45 प्रतिशत रुपये

(सी) पेंशन के लिए गणना किए जाने योग्य रुपये 1500 से अधिक औसत परिलब्धियों का 40 प्रतिशत रुपये

(ए+बी+सी) का योग रुपये (ए)

बी. सेवानिवृत्ति के पहले सेवा के अंतिम दस मासों का औसत

परिलब्धियों का 50 प्रतिशत रुपये(बी)

सी. उपर्युक्त (अ) पर संगणित मूल पेंशन पर नीचे दी गयी सारिणी

के अनुसार $1960 = 100$ शृंखला में औद्योगिक कर्मचारों के

लिए भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 600 सूचकांक

पर मंहगाई राहत रुपये(सी)

डी. कुल मूल पेंशन

= (बी)+(सी) x अर्हक सेवा के वर्षों की संख्या

(अधिकतम 33 वर्ष) रुपये (डी)

33

ई. तारीख 1.11.1993 को मूल पेंशन

रुपये (ई)

(अगले उच्चतर रुपये तक पूर्णांकित)

2. दिनांक 10 अप्रैल, 1989 के द्विपक्षीय समझौते या अधिकारी सेवा विनियम, जैसा भी मामला हो, विशेष भत्ते की वह रकम जो भविष्य निधि में अंशदान के लिए गिनी जाती है, के समकक्ष सेवानिवृत्ति के समय पर आहरित विशेष भत्ते को अतिरिक्त पेंशन की संगणना के लिए गिना जाएगा।

सारणी

1.1.1986 से 31.10.1987 की अवधि के दौरान सेवानिवृत्त हुए सभी वर्गों के कर्मचारियों के लिए 1960=100 शृंखला में औद्योगिक कर्मचारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सूचकांक 600 पर निकाली गयी मंहगाई राहत की दरें :

(ए) अधीनस्थ संवर्ग के कर्मचारी	ऊपर (अ) पर परिकलित पेंशन का 80.40 प्रतिशत
(बी) रुपये 756 प्रति मास तक पेंशन आहरित करने वाले लिपिकीय स्टाफ के कर्मचारी	ऊपर (अ) पर परिकलित पेंशन का 67 प्रतिशत
(सी) रुपये 757 प्रति मास और उससे अधिक पेंशन आहरित करने वाले लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारी	निम्नलिखित मंहगाई राहत के पात्र होंगे :

प्रति माह ली जाने वाली मूल पेंशन की रकम (रुपये)	अनुज्ञेय मंहगाई राहत की रकम (रुपये)
757 -796	508.00
797 -804	534.00
805 -824	540.00
825 -844	553.00
845 -864	567.00
865 -884	580.00
885 -904	593.00
905 -924	607.00
925 -944	620.00
945 -964	634.00
965 -984	647.00
985 -1004	660.00
1005 -1024	674.00
1025 -1044	687.00
1045 - 1064	701.00
1065 - 1084	714.00
1085 और उससे अधिक	727.00

(डी) अधिकारी संवर्ग के कर्मचारी निम्नलिखित रीति से मंहगाई राहत के लिए पात्र होंगे :

(i) रुपये 765 प्रति मास तक मूल पेंशन पाने वालों के लिए	उपर्युक्त अ(1)के अनुसार परिकलित पेंशन रकम का 66 प्रतिशत, किन्तु अधिकतम राशि रुपये 500 होगी।
(ii) रुपये 766 से रुपये 1165 प्रति मास पाने वालों के लिए	रुपये 500
(iii) रुपये 1166 प्रति मास या उससे अधिक मूल पेंशन पाने वालों के लिए	उपर्युक्त अ(1) के अनुसार परिकलित पेंशन की रकम का 42.90 प्रतिशत, किन्तु अधिकतम राशि रुपये 715 होगी।

2. पहली नवम्बर, 1992 को या इसके बाद परन्तु पहली सितम्बर, 1993 से पूर्व सेवानिवृत्त कामगारों एवं पहली जुलाई, 1993 को या इसके बाद परन्तु पहली मई, 1994 से पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारियों के संबंध में मूल पेंशन और अतिरिक्त पेंशन के अद्यतन करने का सूत्र निम्नलिखित रूप में होगा :

- | | |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| (1) पुराने वेतनमान के अनुसार अर्हक सेवा के अंतिम दस माह के दौरान आहरित कुल वेतन | रुपये |
| (2) प्रति माह के वेतन, जो उपरोक्त (1) के अनुसार संगणित, पर वास्तविक आहरित महंगाई राहत या 1148 बिन्दुओं पर महंगाई राहत, जो भी कम हो | रुपये |
| (3) प्रति माह उपरोक्त (1) के अनुसार संगणित वेतन + उपरोक्त (2) के अनुसार आहरित महंगाई भत्ता | रुपये |
| (4) संशोधित वेतन मान के अनुसार कर्मचारी के सेवानिवृत्ति माह को सम्मिलित करते हुए अर्हक सेवा के दस महिनो/महिनों के लिये आहरित कुल वेतन | रुपये |
| (5) कॉलम (3) व (4) का योग | रुपये |
| (6) पेंशन के प्रयोजन के लिये औसत परिलब्धियां यथा उपरोक्त बिन्दु (5) का योग | रुपये |
| 10 | |
| (7) अद्यतन मूल पेंशन | रुपये |

उपरोक्त (6) का 50% x अर्हक सेवा के वर्षों की संख्या (अधिकतम 33 वर्ष)

33

- (8) मूल पेंशन (अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित) रुपये
3. ऐसे कामगारों की दशा में जो पहली नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् परन्तु 1 नवम्बर, 1994 से पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके हैं एवं अधिकारियों की दशा में जो पहली जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् परन्तु 1 नवम्बर, 1994 से पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके हैं विशेष भत्ता, 14 फरवरी, 1995 को हुए द्विपक्षीय समझौते या अधिकारी सेवा विनियम की शर्तों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, सेवानिवृत्ति के समय वास्तविक आहरित समकक्ष विशेष भत्ते को 1 नवम्बर, 1994 को अतिरिक्त पेंशन की संगणना के लिए गिना जाएगा। परन्तु यह कि पहली नवम्बर, 1992 या सेवानिवृत्ति की तिथि से, जो भी बाद में हो, 31 अक्टूबर, 1994 की अवधि के लिए पूर्व संशोधित दरों से भविष्य निधि में अंशदान की सीमा तक की रकम को अतिरिक्त पेंशन की संगणना के लिए गिना जाएगा।
4. ऐसे कर्मचारियों की दशा में जो पहली नवम्बर, 1994 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो चुके हैं, एवं सेवानिवृत्ति से पूर्व दस माह में विशेष भत्ता दोनों पूर्व- संशोधित एवं संशोधित दरों से आहरित किया है, ऐसे विशेष भत्ते की रकम, 14 फरवरी, 1995 को हुए द्विपक्षीय समझौते या अधिकारी सेवा विनियम की शर्तों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, के समकक्ष विशेष भत्ते की पूर्व-संशोधित दरों से आहरित रकम को मूल पेंशन की संगणना के लिए सम्मिलित किया जाएगा।

टिप्पणी :

1 नवम्बर, 1994 को या उसके पश्चात् आहरित संशोधित विशेष भत्ता, मूल पेंशन की संगणना में सम्मिलित किया जाएगा।

5. अधीनस्थ स्टाफ के संबंध में, जो 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो चुके हैं एवं जिन्होंने पूर्व-संशोधित विशेष भत्ता आहरित किया हो और वे भी जो 1 नवम्बर, 1994 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो चुके हैं एवं सेवानिवृत्ति से पूर्व दस माह में विशेष भत्ता दोनों पूर्व- संशोधित एवं संशोधित दरों से आहरित किया है, विशेष भत्ता की पूर्व-संशोधित दरों से आहरित रकम को मूल पेंशन की संगणना के लिए सम्मिलित किया जाएगा और औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभेत्ता मूल्य सूचकांक की शृंखला 1960= 100 की तिमाही औसत में 600 अंकों के ऊपर प्रत्येक 4 अंक के लिए महंगाई राहत, मामले के अनुसार, प्रत्येक वृद्धि के लिए संदेय या गिरावट के लिए आहरित होगी।

36. पेंशन विनियम का परिशिष्ट 2 निम्न प्रकार प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

परिशिष्ट 2

(विनियम 37 देखिए)

मूल पेंशन पर महंगाई राहत निम्नलिखित रूप में होगी :

- (1) कर्मकार संवर्ग के ऐसे कर्मचारी, जो 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् किन्तु 1 नवम्बर, 1993 से पहले सेवा निवृत्त हो चुके हैं और अधिकारी संवर्ग के ऐसे कर्मचारी जो 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् किन्तु 1 जुलाई, 1993 से पहले सेवानिवृत्त हो चुके के मामले 1960 = 100 **शृंखला** में औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की तिमाही औसत में 600 अंकों के ऊपर प्रत्येक 4 अंक के लिए महंगाई राहत, मामले के अनुसार, प्रत्येक वृद्धि के लिए संदेय या प्रत्येक गिरावट के लिए वसूलनीय होगी। ऐसे प्रत्येक उक्त 4 अंक के लिए महंगाई राहत में ऐसी वृद्धि या कमी की संगणना नीचे दी गई रीति से की जाएगी :

प्रतिमास मूल पेंशन का मान (1)	मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में महंगाई राहत की दर (2)
(1) रु. 1250 तक	0.67 प्रतिशत
(2) रु. 1251 से रु. 2000	रु.1250 का 0.67 प्रतिशत धन (+) रु.1250 से अधिक मूल पेंशन का 0.55 प्रतिशत
(3) रु. 2000 से रु. 2130	रु. 1250 का 0.67 प्रतिशत धन (+) रु. 2000/- और रु. 1250 के बीच के अंतर का 0.55 प्रतिशत धन (+) रु. 2000 से अधिक मूल पेंशन का 0.33 प्रतिशत।
(4) रु. 2130 से अधिक	रु. 1250 का 0.67 प्रतिशत धन (+) रु. 2000 और रु. 1250 के बीच के अंतर का 0.55 प्रतिशत धन (+) रु. 2130 और रु. 2000 के बीच के अंतर का 0.33 प्रतिशत जमा (+) रु. 2130 से अधिक मूल पेंशन का 0.17 प्रतिशत

(2) ऐसे कर्मचारियों, जो कर्मकार संवर्ग में हैं, की दशा में जो पहली नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होते हैं, और ऐसे कर्मचारियों, जो अधिकारी संवर्ग में हैं, की दशा में जो पहली जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होते हैं 1960=100 **शृंखला** में औद्योगिक कर्मकारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की तिमाही औसत में 1148 अंकों से ऊपर प्रत्येक 4 अंक की महंगाई राहत, यथास्थिति, प्रत्येक वृद्धि के लिये संदेय या प्रत्येक गिरावट के लिए वसूलनीय होगी। ऐसे प्रत्येक उक्त अंक 4 अंक के लिए महंगाई राहत में ऐसी वृद्धि या कमी की संगणना नीचे दी गई रीति से की जायेगी :

प्रतिमास मूल पेंशन का मान (1)	मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में महंगाई राहत की दर (2)
(1) 2400 तक	0.33 प्रतिशत
2) रु. 2401 से रु. 3850	रु. 2400 का 0.35 प्रतिशत धन (+) रु. 2400 से अधिक मूल पेंशन का 0.29 प्रतिशत
(3) रु. 3851 से रु. 4100	रु. 2400 का 0.35 प्रतिशत धन (+) 3850 और रु.2400/- के बीच के अंतर का 0.29 प्रतिशत धन (+) रु.3850/- से अधिक मूल पेंशन का 0.17 प्रतिशत
(4) रु.4100 से अधिक	रु. 2400 का 0.35 प्रतिशत धन (+) रु.3850 और

रु. 2400 के बीच के अंतर का 0.29 प्रतिशत धन (+)
 रु. 4100 और रु. 3850 के बीच के अंतर का 0.17
 प्रतिशत जमा (+) रु. 4100 से अधिक मूल पेंशन का
 0.09 प्रतिशत ।

(3) ऐसे कर्मचारियों, जो पहली अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होते हैं, 1960=100 श्रृंखला में औद्योगिक कर्मकारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की तिमाही औसत में 1616 अंकों से ऊपर प्रत्येक 4 अंक की महंगाई राहत, यथास्थिति, प्रत्येक वृद्धि के लिये संदेय या प्रत्येक गिरावट के लिए वसूलनीय होगी । ऐसे प्रत्येक उक्त अंक 4 अंक के लिए महंगाई राहत में ऐसी वृद्धि या कमी की संगणना नीचे दी गई रीति से की जायेगी :

प्रतिमास मूल पेंशन का मान (1)	मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में महंगाई राहत की दर (2)
(1) रु., 3380 तक	0.25 प्रतिशत
(2) रु., 3381 से रु. 5420	रु. 3380 का 0.25 प्रतिशत धन (+) रु. 3380/- से अधिक मूल पेंशन का 0.21 प्रतिशत
(3) रु. 5421 से रु. 5770	रु. 3380 का 0.25 प्रतिशत धन (+) 5420 और रु. 3380 के बीच के अंतर का 0.21 प्रतिशत धन (+) रु. 5420 से अधिक मूल पेंशन का 0.12 प्रतिशत
(4) रु. 5770 से अधिक	रु. 3380 का 0.25 प्रतिशत धन (+) रु. 5420 और रु. 3380 के बीच के अंतर का 0.21 प्रतिशत धन (+) रु. 5770 और रु. 5420 के बीच के अंतर का 0.12 प्रतिशत जमा (+) रु. 5770 से अधिक मूल पेंशन का 0.06 प्रतिशत ।

(4) महंगाई राहत पहली फरवरी से प्रारम्भ एवं 31 जुलाई को समाप्त अर्द्ध वर्ष के लिए विगत वर्ष के अक्तूबर, नवम्बर एवं दिसम्बर माह के प्रकाशित तिमाही औसत सूचकांक पर और पहली अगस्त से प्रारम्भ एवं 31 जनवरी को समाप्त अर्द्ध वर्ष के लिए उसी वर्ष के अप्रैल, मई एवं जून माह के प्रकाशित तिमाही औसत सूचकांक पर देय होगी ।

(5) कुटुम्ब पेंशन, अशक्त पेंशन और अनुकम्पा भत्ते के मामले में महंगाई राहत उपर्युक्त दरों के अनुसार संदेह होगी ।

(6) महंगाई राहत संराशीकरण के पश्चात् भी सम्पूर्ण मूल पेंशन पर अनुज्ञात होगी ।

(7) अतिरिक्त पेंशन पर महंगाई राहत संदेय नहीं है ।

(8) पेंशन भोगी जिसकी मूल पेंशन न्यूनतम पेंशन से कम है परन्तु समेकित मूल पेंशन एवं अतिरिक्त पेंशन, न्यूनतम पेंशन से अधिक है तो महंगाई राहत जो न्यूनतम पेंशन के लिए लागू है, देय होगी

37. पेंशन विनियम का परिशिष्ट 3 निम्न प्रकार प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

परिशिष्ट 3

(विनियम 39 देखिए)

कुटुम्ब पेंशन की सामान्य दरें निम्नलिखित होगी :

(ए) अंशकालिक कर्मचारियों से भिन्न, अन्य कर्मचारियों के सम्बन्ध में, जहां कर्मचारी कामगार वर्ग में था एवं 01.11.1992 से पूर्व सेवानिवृत्त हुए या जहां कर्मचारी अधिकारी वर्ग में था एवं 1.07.1993 से पूर्व सेवानिवृत्त हुए ।

प्रति माह वेतन (1)	कुटुम्ब पेंशन की मासिक रकम (2)
रुपये 1500 तक	वेतन का 30 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन होगी धन (+) ऐसे भत्तों का, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, 30 प्रतिशत अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग रुपये 375 प्रति माह से कम नहीं होगा।

रुपये 1501 से 3000	वेतन का 20 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन होगी धन (+) ऐसे भत्तों का, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, 20 प्रतिशत अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग रुपये 450 प्रति माह से कम नहीं होगा।
रुपये 3000 से अधिक	वेतन का 15 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन होगी धन (+) ऐसे भत्तों का, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, 15 प्रतिशत अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त पेंशन का योग रुपये 600 प्रति माह से कम और रुपये 1250 से अधिक नहीं होगा।

(बी) अंशकालिक कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य कर्मचारियों के सम्बन्ध में, जहां कर्मचारी कामगार वर्ग में था एवं 01.11.1992 को या उसके पश्चात् या जहां कर्मचारी अधिकारी वर्ग में था एवं 01.07.1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हुए।

प्रति माह वेतन (1)	कुटुम्ब पेंशन की मासिक रकम (2)
रुपये 2870 तक	वेतन का 30 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन सहित ऐसे भत्तों का 30 प्रतिशत, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग न्यूनतम रुपये 720 प्रति माह होगा।
रुपये 2871 से रुपये 5740	वेतन का 20 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन सहित ऐसे भत्तों का, 20 प्रतिशत, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग न्यूनतम रुपये 8060 प्रति माह होगा।
रुपये 5740 से अधिक	वेतन का 15 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन सहित ऐसे भत्तों का 15 प्रतिशत, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग न्यूनतम रु. 1150 प्रतिमास और अधिकतम रुपये 2400 प्रति माह होगा।

(सी) अंशकालिक कर्मचारियों के अतिरिक्त, (कामगार एवं अधिकारी दोनों के सम्बन्ध में) 01.04.1998 एवं उसके पश्चात् से वानिवृत्त हुए या होने वाले कर्मचारियों की दशा में

प्रति माह वेतन	कुटुम्ब पेंशन की मासिक रकम
रुपये 4040 तक	वेतन का 30 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन सहित से भत्तों का 30 प्रतिशत, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए

रुपये 4040 से रुपये 8080 तक	गणना नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग रुपये 1015 प्रति माह से कम नहीं होगा। वेतन का 20 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन सहित ऐसे भत्तों का 20 प्रतिशत, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग रुपये 1212 प्रति माह से कम नहीं होगा।
रुपये 8080 से अधिक	वेतन का 15 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन सहित ऐसे भत्तों का 15 प्रतिशत, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी। मूल और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का योग न्यूनतम रुपये 1616 प्रति माह और अधिकतम रुपये 3378 प्रति माह होगा।

टिप्पणी :

- (1) महंगाई राहत अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन पर संदेय नहीं है।
- (2) यथापूर्वेक्ति कुटुम्ब पेंशन की गणना के प्रयोजन के लिए वेतनमान विनियम 2 के उप-खण्ड (घ) में यथापरिभाषित वेतन और विनियम 35 के उप-विनियम (3) के स्पष्टीकरण में यथापरिभाषित भत्तों का योग होगा।
- (3) अंशकालिक कर्मचारी के मामले में, कुटुम्ब पेंशन की न्यूनतम राशि और कुटुम्ब पेंशन की अधिकतम राशि, कर्मचारी द्वारा आहरित वेतनमान की दर के अनुपात में होगी।
- (4) यदि मूल कुटुम्ब पेंशन एवं अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का सकल न्यूनतम पेंशन से कम रह जाता है तो पेंशन भोगी को न्यूनतम पेंशन एवं ऐसी न्यूनतम कुटुम्ब पेंशन पर महंगाई राहत का भुगतान किया जा सकता है। तथापि, न्यूनतम कुटुम्ब पेंशन के अलावा कोई अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन देय नहीं होगी।

38. पेंशन विनियम का परिशिष्ट 4 निम्न प्रकार प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

परिशिष्ट 4
(विनियम 27 देखिए)

मजदूरी मान पर स्थायी अंशकालिक आधार एक सप्ताह में की गई वास्तविक सेवा	पेंशन की राशि के परिकलन के लिए स्थायी अंशकालिक आधार पर की गई प्रत्येक वर्ष की सेवा के लिए तत्स्थानी अर्हक सेवा की अवधि
(1)	(2)
छह घंटे या उससे अधिक किन्तु 13 घंटे से कम	वर्ष का एक-तिहाई
13 घंटे या उससे अधिक किन्तु 19 घंटे से कम	वर्ष का आधा
19 घंटे या उससे अधिक किन्तु 29 घंटे तक	वर्ष का तीन-चौथाई
29 घंटे से अधिक	एक वर्ष

39. पेंशन विनियम का नया परिशिष्ट 5 निम्न प्रकार समाहित किया जायेगा :-

परिशिष्ट 5

(विनियम 39 देखिए)

ऐसे कर्मचारी, जो पहली जनवरी 1986 को अथवा इसके बाद बैंक सेवा में थे और जिनकी सेवा में रहते हुए 31 अक्टूबर, 1987 को या इससे पूर्व मृत्यु हो गयी थी या 31 अक्टूबर, 1987 को या इससे पूर्व सेवानिवृत्त हो गये लेकिन मृत हो गये, के संदर्भ में कुटुम्ब मूल पेंशन एवं अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन की संगणना निम्नानुसार की जाएगी :-

(1) मूल कुटुम्ब पेंशन

(ए) मृतक कर्मचारी द्वारा सेवानिवृत्ति/मृत्यु के समय आहरित वेतन	रुपये
(बी) नीचे दी गयी सारिणी के अनुसार सामान्य दरों पर मूल कुटुम्ब पेंशन	रुपये
(सी) उपर्युक्त (आ) पर संगणित मूल कुटुम्ब पेंशन पर परिशिष्ट 1 में दी गयी सारिणी के अनुसार औद्योगिक कामगारों हेतु श्रृंखला 1960=100 के अनुसार अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के सूचकांक 600 पर महंगाई भत्ता	रुपये
(डी) अद्यतन मूल कुटुम्ब पेंशन यथा (बी)+(सी)	रुपये
(ई) अद्यतन मूल कुटुम्ब पेंशन उपरोक्त (डी) (अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित)	रुपये
(एफ) उपरोक्त (डी) के अनुसार अद्यतन मूल कुटुम्ब पेंशन का डेढ़गुणा अथवा दुगुना, जैसा भी मामला हो, मूल कुटुम्ब पेंशन (अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित)	रुपये

(2) अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन

सेवानिवृत्ति / मृत्यु से पूर्व आहरित विशेष भत्ते, तारीख 10.04.1989 के द्विपक्षीय समझौते/अधिकारी सेवा विनियम की शर्तों के अनुसार विशेष भत्ते की भविष्य निधि में अंशदान करने की सीमा तक की रकम को अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन की धारणा के लिए गिने जाएंगे।

टिप्पणः

- (1) अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन पर महंगाई राहत देय नहीं हैं।
- (2) यदि समेकित अद्यतन मूल कुटुम्ब पेंशन और अद्यतन अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन रुपये 375 से कम रह जाती है तो पेंशनभोगी रुपये 375 के साथ उस पर महंगाई राहत, ऐसे मामले में अद्यतन अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन देय नहीं होगी।

वेतन सीमा**सारिणी
कुटुम्ब पेंशन की रकम**

रुपये 664 से कम

वेतन का 30 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन होगी + ऐसे भत्तों का, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, 30 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन होगी न्यूनतम रुपये 100 एवं अधिकतम रुपये 166।

रुपये 664 एवं इससे अधिक लेकिन रुपये 1992 से कम

वेतन का 15 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन होगी + ऐसे भत्तों का, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु महंगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, 15 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन होगी न्यूनतम रुपये 166 एवं अधिकतम रुपये 266 के साथ।

रुपये 1992 एवं उससे अधिक

वेतन का 12 प्रतिशत मूल कुटुम्ब पेंशन होगी + ऐसे भत्तों का, जिनकी भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गणना की जाती है किन्तु मंहगाई भत्ते के लिए गणना नहीं की जाती है, 12 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन होगी न्यूनतम रुपये 266 एवं अधिकतम रुपये 415 के साथ ।

ज्योति घोष, प्रबंध निदेशक

[विज्ञापन III/4/असा./191एच/14]

STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

(Head Office, Jaipur)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th October, 2014

State Bank of Bikaner and Jaipur (Employees') Pension (Amendment) Regulations, 1995

In exercise of powers conferred by Sub-section (1) and Clause (o) of Sub-Section (2) of Section 63 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India, in consultation with the Board of Directors of State Bank of Bikaner & Jaipur and with the approval of Reserve Bank of India, have made the following amendments in State Bank of Bikaner & Jaipur (Employees') Pension Regulations, 1995, namely:—

1. (1) These Regulations may be called State Bank of Bikaner & Jaipur (Employees') Pension (Amendment) Regulations, 2014.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. The clause (n) of Regulation 2 of the State Bank of Bikaner & Jaipur (Employees') Pension Regulations, 1995 (hereinafter referred to as “the Pension Regulations”), shall be substituted with the following :—

“(n) 'employee' means any person employed in the service of the Bank, whether as a workman on full time work on permanent basis or on part-time work on permanent basis on scale wages or as an officer and who opts and is governed by these regulations, but does not include a person employed either on contract basis or daily wage basis or on consolidated wages;”

3. In clause (o) of Regulation 2 of the Pension Regulations, after sub clause 'C' the following new sub-clause '(d)' shall be inserted:—

“(d) parents who were wholly dependent on the employee when he/she was alive, provided the deceased employee had left behind neither a widow/widower nor a child.”

4. The Sub-clause (a) of clause (s) of Regulation 2 of the Pension Regulations, shall be substituted by the following:-

“(a) in relation to a workman who had either retired or died on or after the 1st day of January, 1986 but before the 1st day of November, 1992; and in relation to an officer who had either retired or died on or after the 1st day of January, 1986 but before the 1st day of July, 1993, :—

i) the basic pay including stagnation increments, if any, and

ii) all allowances counted for the purposes of making contribution to the Provident Fund and for the payment of dearness allowance.

5. The Sub-clause (b) of Clause (s) of regulation 2 of the Pension Regulations, shall be substituted by the following:-

“(b) in relation to a workman who retired or died while in service on or after the 1st day of November, 1992; and in relation to an officer who retired or died while in service on or after the 1st day of July, 1993, —

(i) the basic pay including stagnation increments, if any; and

(ii) all allowances counted for the purpose of making contribution to the Provident Fund and for the payment of dearness allowance; and

(iii) increment component of Fixed Personal Allowance; and

(iv) dearness allowance calculated upto index number 1148 points in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100.

6. In clause (s) of Regulation 2 of the Pension Regulations after sub-clause (b) following new sub-clause ' (c)' shall be inserted:-

“(c) in relation to an employee who retired or died while in service on or after the 1st day of April, 1998:—

- i) the basic pay including stagnation increments, if any; and
- ii) all other components of pay counted for the purpose of making contributions to the Provident Fund and for the payment of dearness allowance; and
- iii) increment component of Fixed Personal Allowance; and
- iv) dearness allowance thereon on the above calculated upto Index number 1616 points in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100.

“Explanation :

For the purpose of this clause basic pay, other components of pay and Fixed Personal Allowance would mean the basic pay, other components of pay and Fixed Personal Allowance drawn by the employee in terms of the scales of pay as applicable and the rates at which the other components of pay were payable prior to 1.11.1997 (in the case of workmen) and prior to 1.4.1998 (in the case of officers);”

7. The clause (c) of Sub-Regulation (1) of Regulation 3 of the Pension Regulations shall be substituted by the following:—

“(c) refund within sixty days after the expiry of the said period of one hundred and twenty days specified in clause (b) the entire amount of the Bank’s contribution to the Provident Fund including interest accrued thereon together with a further simple interest at the rate of six percent per annum on the said amount from the date of settlement of the Provident Fund account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank or till the 1st day of April, 1995 whichever is earlier.”

8. The clause (b) of Sub-Regulation (7) of Regulation 3 of the Pension Regulations shall be substituted by following:—

“(b) refund within sixty days of the expiry of the said period of one hundred and twenty days specified in clause (a) above the entire amount of the Bank’s contribution to the Provident Fund and interest accrued thereon together with a further simple interest at the rate of six percent per annum from the date of settlement of the Provident Fund account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank or till the 1st day of April, 1995 whichever is earlier.”

9. In the end of Regulation 3 of the Pension Regulations following new Sub-Regulation (10) shall be inserted :—

“(10) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (2), (5), (6) and (8), in cases where an employee had retired/died after retirement on or after the 1st day of November, 1993 but on or before the 1st day of April, 1995 or where an employee had died while in service of the Bank on or after the 1st day of November, 1993 but on or before the 1st day of April, 1995 such an employee or the family of the deceased employee, as the case may be, shall refund within the period specified in aforesaid sub-regulations the entire amount of the Bank’s contribution to the Provident Fund including interest accrued thereon with a further simple interest at the rate of six percent per annum on the said amount from the date of settlement of the Provident Fund Account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank or till the 1st day of April, 1995, whichever is earlier.

10. The Regulation 12 of the Pension Regulations shall be substituted by the following :—

“12. Investment of the Fund- All moneys contributed to the Fund or received or accruing after that date by way of interest or otherwise to the Fund, may be deposited in a Post Office Savings Bank Account in India or in a current account or in a savings account with any scheduled bank or utilised in making payment of pensionary benefits in accordance with Pension Regulations and to the extent such moneys as are not so deposited or utilised shall be invested in the manner specified in sub-rule (2) of rule 67 of Income Tax Rules, 1962.”

11. In the end of Regulation 18 of the Pension Regulations following proviso shall be inserted:—

“Provided that provisions of this regulation shall not apply for determining the minimum service required to make an employee eligible for pension.”

12. The Sub-regulation (2) of the Regulation 27 of the Pension Regulations shall be substituted by the following:—

“(2) For the purpose of calculating the amount of pension in respect of a part-time employee who was/is initially recruited on a lower scale wage and later fitted on higher scale wages including full scale wages, the length of qualifying service shall be determined in accordance with Appendix-IV.”

13. In the end Regulations 27 of the Pension Regulations following new Sub-regulation (3) shall be inserted:—

“(3) In respect of part-time employees who continue to be in the same scale wages since their recruitment, for the purpose of calculating the amount of pension, the actual service put in shall be taken as qualifying service. In such cases the actual pay drawn on scale wages at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of average emoluments.

Note :

The actual service/qualifying service shall be calculated from the date of recruitment or 1.9.1978, whichever is later.”

14. The clause '(a)' of the Regulation 32 of the Pension Regulations, shall be substituted with the following:—

“(a) has rendered minimum ten years of service; and”

15. The Sub-regulation (1) of Regulation 33 of the Pension Regulations shall be substituted by the following :—

“(1) An employee compulsorily retired from service as a penalty on or after 1st day of November, 1993 in terms of Officers' Service Regulations 1979 or awards/settlements may be granted by the authority higher than the authority competent to impose such penalty, pension at a rate not less than two-thirds and not more than full pension admissible to him on the date of his compulsory retirement if otherwise he was entitled to such pension on superannuation on that date.”

16. The Sub-regulation (2) of Regulation 34 of the Pension Regulations shall be substituted by the following:—

“(2) The family of a deceased employee governed by the provisions contained in sub-regulation (7) of regulation 3 shall be eligible for pension or family pension as the case may be, with effect from 1st day of November, 1993.”

17. The Sub-regulation (1) of Regulation 35 of the Pension Regulations shall be substituted by the following :—

“(1) Basic Pension and additional pension, wherever applicable, shall be updated as per the formulae given in Appendix I.”

18. The clauses (a), (b) & (c) of Regulation 36 of the Pension Regulations shall be substituted by the following :—

“(a) rupees three hundred and seventy five per month in respect of an employee other than a part-time employee where the employee had retired before 1st day of November, 1992 (in case of workmen) or before 1st day of July, 1993 (in case of officers) and proportionate amount thereof in relation to the rate of scale of wages in the case of a part-time employee who had retired before the 1st day of November, 1992;

(b) rupees seven hundred and twenty per month in respect of an employee other than a part-time employee, where the employee retired on or after the 1st day of November, 1992 (in case of workmen) or on or after the 1st day of July, 1993 (in the case of officers) and proportionate amount thereof in relation to the rate of scale of wages in the case of a part-time employee who retired on or after the 1st day of November, 1992.

(c) rupees one thousand and fifteen per month in respect of an employee other than a part-time employee where the employee retired on or after the 1st day of April, 1998 and rupees three hundred and thirty nine per month in respect of a part-time employee drawing 1/3 scale wages, rupees five hundred and eight per month in respect of a part-time employee drawing 1/2 scale wages and rupees seven hundred and sixty two per month in respect of a part-time employee drawing 3/4 scale wages where the part-time employee retired on or after the 1st day of April, 1998.”

19. In Sub-regulation (1) of Regulation 39 of the Pension Regulations after clause (c) following Proviso shall be inserted:-

“Provided that in respect of employees who were in the service of the bank on or after the 1st day of January, 1986 and had died while in service on or before the 31st day of October, 1987 or had retired on or before 31st day of October, 1987 but died later, the family of the deceased shall be entitled to family pension, the amount of which shall be determined in accordance with Appendix V.”

20. The sub-clause (ii) of clause (a) of the Sub-regulation (3) of Regulation 39 of the Pension Regulations shall be substituted by the following:-

“(a) In the event of death of an employee after retirement, the family pension as determined under clause (a) of this sub-regulation shall be payable for a period of seven years or for a period upto the date on which the retired deceased employee would have attained the age of sixty five years had he survived, whichever is less:

Provided that in no case the amount of family pension determined under this clause shall exceed the pension authorised on retirement from the Bank. If the pension authorised to the employee on his retirement is less than the amount of family pension at the ordinary rates, then, the family shall be allowed family pension at the ordinary rates.

Explanation :

For the purpose of this sub-clause, “pension authorised on retirement” includes part of the pension which the retired employee might have commuted before death.”

21. The Clause (b) of Regulation 40 of the Pension Regulations shall be substituted by the following :-

(b) in the case of a son or daughter (including widowed/divorced) till he/ she attains the age of twenty five years or upto the date of his/her marriage/ re-marriage, whichever is earlier :

Provided the family pension payable to sons/daughters (including widowed/ divorced) shall be discontinued/not admissible when the eligible son/ daughter starts earning a sum in excess of Rs.2550/- per month from employment in Government/private sector/self-employment, etc.:

Provided further that if the son or daughter of an employee is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of twenty five years, the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely :—

(i) If such son or daughter is one among two or more children of the employee, the family pension shall be initially payable to the minor children in the order set out in clause (e) of sub-regulation (1) until the last minor child attains the age of twenty five years and thereafter the family pension shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him or her for life;

(ii) If there are more than one such children suffering from disorder or disability of mind or who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the order of their birth and the younger of them will get the family pension only after the elder next above him or her ceases to be eligible :

Provided that where the family pension is payable to such twin children it shall be paid in the manner set out in clause (f) of sub-regulation (1) :

(iii) The family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor except in the case of physically crippled son or daughter who has attained the age of majority;

(iv) Before allowing the family pension for life to any such son or daughter, the Competent Authority shall satisfy that the handicap is of such a nature as to prevent him or her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from a medical officer approved by the Bank, setting out, as far as possible, the exact mental or physical condition of the child;

(v) The person receiving the family pension as guardian of such son or daughter or such son or daughter not receiving the family pension through a guardian shall produce every three years a certificate from a medical officer approved by the Bank to the effect that he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continues to be physically crippled or disabled.

Explanation :The grant of family pension to disabled children beyond the age limit specified in this regulation is subject to the following conditions, namely –

(i) a daughter shall become ineligible for family pension under this sub-regulation from the date she gets married;

(ii) the family pension payable to such son or daughter shall be stopped if he or she starts earning his or her livelihood. In such cases, it shall be the duty of the guardian or son or daughter to furnish a certificate to the Bank every month that :—

(A) he or she has not started earning his or her livelihood;

(B) in case of daughter that she has not yet married;

22. The Clause (c) of Regulation 40 of the Pension Regulations shall be substituted by the following :-

“(c) in the case of parents the family pension payable shall be discontinued/not admissible if the income of one of the parents or the aggregate income of both the parents from employment in Government/private sector/self-employment etc. exceeds Rs. 2550/- per month.”

22. The Sub-regulation 4 of the Regulation 40 of the Pension Regulations shall be substituted by the following:-

“(4) In case both wife and husband are employees of the Bank and are governed by the provisions of this regulation and one of them dies while in service or after retirement, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the surviving husband or wife and in the event of death of the husband or wife, the surviving child or

children shall be granted the two family pensions in respect of the deceased parents subject to the limits specified below, namely :—

(a) if the surviving child or children is or are eligible to draw two family pensions at the rates mentioned in sub-clause (i) of clause (a) and sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 39, the amount of both pensions shall be limited to -

i) two thousand five hundred rupees only per mensem in respect of employees who retired or died while in service prior to the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or prior to 1st day of July, 1993 (in the case of officers);

ii) four thousand eight hundred rupees per mensem only in respect of employees who retired or died on or after the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or on or after 1st day of July, 1993 (in the case of officers); and

iii) six thousand seven hundred and fifty six rupees per mensem only in respect of employees, both officers and workmen, who retired or died on or after 1st day of April, 1998.

(b) if one of the family pensions ceases to be payable at the rates mentioned in sub-clause (i) of clause (a) or sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 39 and in lieu thereof the family pension at the rate mentioned in sub-regulation (1) of regulation 39 becomes payable, the amount of both the pensions shall also be limited to :—

(i) two thousand five hundred rupees only per mensem in respect of employees who retired or died while in service prior to the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or prior to 1st day of July, 1993 (in the case of officers);

(ii) four thousand eight hundred rupees per mensem only in respect of employees who retired or died on or after the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or on or after 1st day of July, 1993 (in the case of officers); and

(iii) six thousand seven hundred and fifty six rupees per mensem only in respect of employees, both officers and workmen, who retired or died on or after 1st day of April, 1998.

(c) if both the family pensions are payable at the rate mentioned in sub-regulation (1) of regulation 39 amount of the two pensions shall be limited to -

(i) one thousand two hundred and fifty rupees per mensem in the case of employees who retired or died while in service prior to the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or 1st day of July, 1993 (in the case of officers);

(ii) two thousand four hundred rupees per mensem in respect of employees who retired or died on or after the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or on or after 1st day of July, 1993 (in the case of officers); and

(iii) three thousand three hundred and seventy eight rupees per mensem in respect of employees (both officers and workmen) who retired or died on or after 1st day of April, 1998.

24. In Sub-regulation 5 of the Regulation 40 of the Pension Regulations, Proviso to clause '(c)' shall be substituted by the following:—

“Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to widow or widows ceasing to be payable, such share or shares, shall not lapse, but shall be payable to the other widow or widows and/ or to the other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child.”

25. In Sub-regulation (5) of Regulation 40 of the Pension Regulations after clause 'c' a new clause 'ca' shall be inserted as under:—

“(ca) Where the deceased employee or pensioner is survived by a widow but has left behind eligible child or children from a divorced wife or wives, such eligible child or children shall be entitled to the share of family pension which the mother would have received at the time of the death of the employee or pensioner had she not been so divorced :—

Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to a widow ceasing to be payable, such share or shares, shall not lapse, but shall be payable to the other widow or widows and/or to the

other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child.”

26. In Sub-regulation (4) of Regulation 41 of the Pension Regulations, the notes shall be substituted by following :—

“Note:

The Table above indicates the commuted value of pension expressed as number of years’ purchase with reference to the age of the pensioner as on his next birthday. The commuted value in the case of an employee retiring at the age of fifty eight years is 10.46 years’ purchase and, therefore, if he commutes rupees one hundred from his pension within one year of retirement, the lumpsum amount payable to him works out to Rs.100 x 10.46 x 12 = Rs.12,552/-.”

27. In Regulation 41 of Pension Regulations following new sub-regulation (5) of shall be inserted:-

“(5) An employee who had commuted the admissible portion of pension is entitled to have the commuted portion of the pension restored after the expiry of a period of fifteen years from the date of commutation.”

28. In Regulation 41 of Pension Regulations following new sub-regulation (6) of shall be inserted:-

“(6) An applicant who is authorised a superannuation pension or voluntary retirement pension or premature retirement pension or compulsory retirement pension or invalid pension or compassionate allowance shall be eligible to commute a fraction of his pension under these regulations:

Provided that on and from 1.7.2003, in case of an applicant in whose case the commuted value of pension becomes payable on the day following the date of his retirement or from the date from which commutation becomes absolute, the reduction in the amount of pension on account of commutation shall become operative from its inception. Where, however, payment of commuted value of pension could not be made within the first month after the date of retirement or within the first month after the date when the commutation becomes absolute as the case may be, the difference between the normal monthly pension and the commuted pension shall be paid for the period between the date on which commutation becomes absolute and the date preceding the date on which commuted value of pension is deemed to have been paid.”

29. In Regulation 41 of Pension Regulations following new Sub-regulation (7) shall be inserted:-

“(7) In the case of a pensioner eligible for superannuation pension or pension on voluntary retirement or premature retirement pension, no medical examination shall be necessary, if the application for commutation is made within one year from the date of retirement. However, if such a pensioner applies for commutation of pension after one year from the date of his retirement, the same will be permitted subject to medical examination:

Provided that in the case of an applicant who is in receipt of a provisional pension as in Regulation 46 and for whom pension in whole or in part on the finalisation of the departmental or judicial proceedings has been authorised, the period of one year referred to in this sub-regulation shall reckon from the date of issue of the orders consequent upon the finalisation of the departmental or judicial proceedings.”

30. In Regulation 41 of Pension Regulations following new Sub-regulation (8) shall be inserted:-

“(8) An applicant who –

(i) retires on invalid pension under regulation 30 of these regulations; or

(ii) is in receipt of compassionate allowance under regulation 31 of these regulations; or

(iii) is compulsorily retired by the bank and is eligible for compulsory retirement pension under regulation 33

shall be eligible to commute a fraction of his pension subject to the limit specified in sub-regulation (1) after he has been declared fit by a medical officer approved by the Bank.”

31. In Regulation 41 of Pension Regulations following new sub-regulation (9) shall be inserted:-

“(9) The commutation of pension shall become absolute in the case of an employee –

(a) retiring on superannuation or on voluntary retirement who submits an application for commutation of pension before the date of retirement, on the date following the date of retirement:

Provided that the employee governed by sub-regulation (3) of regulation 29 shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the notice of three months and the commutation of pension shall become absolute only on the expiry of the period of notice referred to in sub-regulation (1) of regulation 29;

(b) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after the date of retirement but before the completion of one year from the date of retirement, on the date the application for commutation is received by the Competent Authority;

(c) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after one year from the date of retirement, on the date of the medical certificate given by a medical officer approved by the Bank;

(d) who has retired prior to the 1st day of November, 1993 and who opts to be governed by these regulations, on the 1st day of November, 1993, where the application for commutation is made within the period specified by clause (b) of sub-regulation (1) of regulation 3;

(e) who was in the service of the Bank on or after the 1st day of November, 1993 but who retired prior to the publication of these regulations on the day immediately following the date of his retirement, where the application is made within the period specified by clause (b) of sub-regulation (2) of regulation 3;

(f) who retired on or after the 1st day of November, 1993 but died prior to the notified date, on the day immediately following the date of his retirement, where the application for commutation is made by the family of the deceased within the period specified by clause (a) of sub-regulation (5) of regulation 3;

(g) in respect of whom invalid pension under regulation 30 or compassionate allowance under regulation 31 or compulsory retirement pension under regulation 33 is admissible, computation shall become absolute on the date of the medical certificate given by a medical officer appointed by the Bank.”

32. The Sub-regulation (1) of the Regulation 48 of the Pension Regulations shall be substituted by the following:-

“(1) The Competent Authority may withhold or withdraw a pension or a part thereof, whether permanently or for a specified period, and order recovery from pension of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Bank, if in any departmental or judicial proceedings the pensioner is found guilty of grave misconduct or negligence or criminal breach of trust or forgery or acts done fraudulently during the period of his service;

Provided that the Board shall be consulted before any final orders are passed:

Provided further that departmental proceedings, if instituted while the employee was in service shall, after the retirement of the employee, be deemed to be proceedings under these regulations and shall be continued and concluded by the authority by which they were commenced in the same manner as if the employee had continued in service.”

33. The Sub-regulation (2) of the Regulation 48 of the Pension Regulations shall be substituted by the following:-

“(2) No departmental proceedings, if not instituted while the employee was in service, shall be instituted in respect of an event which took place more than four years before such institution:

Provided that the disciplinary proceedings so instituted shall be in accordance with the procedure applicable to disciplinary proceedings in relation to the employee during the period of his service.”

34. In Regulation 48 of the Pension Regulations, the following new Sub-regulation (3) shall be inserted, namely :—

“(3) Where the Competent Authority orders recovery of pecuniary loss from the pension, the recovery shall not ordinarily be made at a rate exceeding one-third of the pension admissible on the date of retirement of the employee:

Provided that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of pension drawn by a pensioner shall not be less than the minimum pension payable under these regulations.

35. The Appendix I to the Pension Regulations shall be substituted by the following:—

Appendix I

(See Regulation 35)

The formula of updating basic pension and additional pension in respect of employees who retired during the period 1.1.1986 to 31.10.1987 shall be as under :-

(1) A.(a) 50 per cent of first Rs. 1000 of the average emoluments reckonable for pension	Rs.....
(b) 45 per cent of next Rs.500	Rs.....
(c) 40 per cent of the average emoluments reckonable for pension exceeding Rs. 1500	Rs.....
Total of (a+b+c)	Rs(A)
B. 50 per cent of the average monthly emoluments for the	

last 10 months in service prior to retirement Rs(B)

C. Dearness Relief at index number 600 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100, on basic pension calculated at (A) above, as per Table given below. Rs.....(C)

D. Total basic pension = (B)+(C)x Number of years of qualifying Service (Maximum 33 years) Rs.....(D)

33

E. Basic pensions as on 1.11.1993 (Rounded off to the next higher rupee) Rs.....(E)

2). Special allowances to the extent of the amount ranking for making contributions to Provident Fund in terms of the Bipartite Settlement dated 10th April, 1989 or Officers' Service Regulations, as the case may be, corresponding to the special allowances drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of additional pension.

TABLE

Rates of dearness relief worked out at index number 600 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100 for all classes of employees who retired during the period 1.1.1986 to 31.10.1987 :

(a) Employees in subordinate staff cadre	80.40 per cent of pension calculated at A above
(b) Employees in clerical staff cadre drawing pension up to Rs.756/- per month.	67 per cent of pension calculated at A above.

(c) Employees in clerical staff cadre drawing pension of Rs. 757/- per month and above will be eligible for dearness relief as under :

Amount of basic pension drawn per month (Rs.)	The amount of dearness relief admissible (Rs.)
756-796	508.00
797-804	534.00
805-824	540.00
825-844	553.00
845-864	567.00
865-884	580.00
885-904	593.00
905-924	607.00

925-944	620.00
945-964	634.00
965-984	647.00
985-1004	660.00
1005-1024	674.00
1025-1044	687.00
1045-1064	701.00
1065-1084	714.00
1085 & above	727.00

(d) Employees in officer cadre shall be eligible for dearness relief as under:

(i) For those drawing basic pension up to Rs 765/- per month	66 per cent of the amount of pension calculated as at (A) above subject to a maximum of Rs. 500
(ii) For those drawing basic pension from Rs. 766/- to Rs. 1165/-	Rs. 500 per month;
(iii) For those drawing basic pension of Rs 1166/- per month or above;	42.90 per cent of the amount of pension calculated as at (A) above subject to a maximum of Rs. 715

2. The formula for updating basic pension in respect of workmen who have retired on or after the 1st day of November, 1992 but before the 1st day of September, 1993 and in respect of officers who have retired on or after the 1st day of July, 1993 but before the 1st day of May, 1994 shall be as under :-

(1) Total of pay drawn as per the old scales for the month/s during the last 10 months of qualifying service.	Rs
(2) Total of dearness allowance actually drawn or dearness allowance at 1148 points, whichever is less, for each month of pay calculated at (1) above.	Rs.....
(3) Total of pay drawn as per (1) above plus total of dearness allowance drawn as per (2) above.	Rs.....
(4) Total of pay drawn as per revised scales of pay for the month/s during the last 10 months of qualifying service including the month in which the employee retired.	Rs.....
(5) Total of columns (3) and (4)	Rs.....
(6) Average emoluments for the purpose of Pension i.e. <u>Total as per (5) above</u>	Rs.....

(7) Updated basic pension 50% of (6) above x Rs.....
Number of Years of

qualifying service (Max. 33 years)

33

(8) Basic pension (Rounded off to next Rs.....
higher rupee)

3. In respect of workmen who have retired on or after the 1st day of November, 1992 but before the 1st day of November, 1994 and in respect of officers who have retired on or after the 1st day of July, 1993 but before the 1st day of November, 1994 the amount of special allowances in terms of Bipartite Settlement dated 14th February, 1995 or the Officers' Service Regulations, as the case may be, corresponding to the special allowance actually drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension, w.e.f 1st November, 1994.

Provided that for the period from 1st day of November, 1992 or from the date of retirement, whichever is later, till the 31st day of October, 1994 the amount ranking for provident fund at pre-revised rates shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension.

4. In respect of employees who have retired on or after the 1st day of November, 1994 and have drawn special allowance both at the pre-revised and revised rates during the last 10 months of service before retirement, the amount of special allowance in terms of the Bipartite Settlement dated 14th February, 1995 or the Officers' Service Regulations, as the case may be, corresponding to the pre-revised special allowance actually drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension.

Note:

The amount of revised special allowance drawn on or after the 1st day of November, 1994 shall be reckoned for computation of basic pension.

5. In respect of subordinate staff who have retired on or after the 1st day of November, 1992 and have drawn pre-revised special allowance as also those who have retired on or after the 1st day of November, 1994 and have drawn special allowance both at the pre-revised and revised rates during the last ten months of service before retirement, the amount of special allowance actually drawn at the pre-revised rates shall be reckoned for the purpose of computation of basic pension and shall draw dearness relief at the rates for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100.

36. The Appendix II to the Pension Regulations shall be substituted by the following:-

Appendix II

(See Regulation 37)

Dearness relief on basic pension shall be as under:-

(1) In the case of employees who were in the workmen cadre and who retired on or after the 1st day of January, 1986, but before the 1st day of November, 1992; and in case of employees who were in the Officers' cadre and who retired on or after 1st day of January, 1986, but before the 1st day of July, 1993, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price index for Industrial Workers in the series 1960=100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below:-

Scale of basic pension <u>Per month</u> (1)	The rate of dearness relief as a <u>percentage of basic pension</u> (2)
1) Rs. Upto Rs. 1250	0.67 per cent
2) Rs.1251 to Rs. 2000	0.67 per cent of Rs. 1250 plus 0.55 per cent of basic pension in excess of Rs.1250
3) Rs. 2001 to Rs. 2130	0.67 per cent of Rs. 1250 plus 0.55 per cent of the difference between Rs. 2000 and Rs. 1250 plus 0.33 per cent of basic pension in excess of Rs. 2000

- 4) Above Rs.2130 0.67 percent of Rs.1250 plus 0.55 percent of the difference between Rs.2000 and Rs.1250 plus 0.33 per cent of the difference between Rs.2130 and Rs.2000 plus 0.17 per cent of basic pension in excess of Rs.2130

(2) In the case of employees who are in workmen cadre and who retire on or after the 1st day of November, 1992; and in the case of employees who are in the officers' cadre and who retire on or after 1st day of July, 1993, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 1148 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below:-

Scale of basic pension <u>Per month</u>	The rate of dearness relief as a <u>percentage of basic pension</u>
(1)	(2)
(i)Rs.Upto Rs. 2400	0.35 per cent
(ii)Rs. 2401 to Rs. 3850	0.35 per cent of Rs. 2400 plus 0.29 per cent of basic pension in excess of Rs. 2400
(iii)Rs. 3851 to Rs. 4100	0.35 per cent of Rs. 2400 plus per cent of the difference between Rs. 3850 and Rs. 2400 plus 0.17 per cent of basis pension in excess of Rs. 3850
(iv)above Rs.4100	0.35 per cent of Rs. 2400 plus 0.29 per cent of the difference between Rs. 3850 and Rs. 2400 plus 0.17 per cent of the difference between Rs. 4100 and Rs. 3850 plus 0.09 per cent of basis pension in excess of Rs. 4100.

(3) In the case of employees who retire on or after the 1st day of April, 1998 dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 1616 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below:—

Scale of basic pension <u>per month</u>	The rate of dearness relief as a <u>percentage of basic per month</u>
(i)Upto Rs. 3380	0.25 per cent
(ii)Rs. 3381 to Rs. 5420	0.25 per cent of Rs.3380 plus 0.21 per cent of basic pension in excess of Rs.3380
(iii)Rs. 5421 to Rs. 5770	0.25 per cent of Rs. 3380 plus 0.21 per cent of the difference between Rs. 5420 and Rs.3380 plus 0.12 per cent of basic pension in excess of Rs. 5420
(iv) Above Rs.5770	0.25 per cent of Rs.3380 plus 0.21 per cent of the difference between Rs.5420

and Rs. 3380 plus 0.12 per cent of the
difference between Rs. 5770 and Rs. 5420
plus 0.06 per cent of basic pension in
excess of Rs. 5770.

(4) Dearness relief shall be payable for the half year commencing from the 1st day of February and ending with 31st day of July on the quarterly average of the index figures published for the months of October, November and December of the previous year and for the half year commencing from the 1st day of August and ending with then 31st day of January on the quarterly average of the index figures published for the month of April, May and June of the same year.

(5) In the case of family pension, invalid pension and compassionate allowance, dearness relief shall be payable in accordance with the rates mentioned above.

(6) Dearness relief will be allowed on full basic pension even after commutation.

(7) Dearness relief is not payable on additional pension.

(8) Pensioner whose basic pension is less than minimum pension but the aggregate of basic pension and additional pension is more than the minimum pension shall draw dearness relief as applicable to minimum pension.

37. The Appendix III to the Pension Regulations shall be substituted by the following:-

Appendix III

(See Regulation 39)

The ordinary rates of family pension shall be as under :-

a) In respect of employees other than part-time employees, where the employee was in the workmen cadre and retired before 1.11.1992 or where the employee was in the officers' cadre and retired before 1.7.1993.

<u>Scale of pay per month</u>	<u>Amount of monthly Family pension</u>
(1)	(2)
Upto Rs. 1500	30 percent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 375 per month.
Rs.1501 to Rs. 3000	20 percent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 450 per month.
Above Rs. 3000	15 percent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 600 per month and not more than Rs. 1250 per month.

b) In respect of employees other than part-time employees, where the employee was in the workmen cadre and retired on or after 1.11.1992 or where the employee was in the officers' cadre and retired on or after 1.7.1993.

<u>Scale of pay per month</u>	<u>Amount of monthly Family pension</u>
(1)	(2)
Upto Rs. 2870	30 percent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs. 720 per month.

Rs.2871 to Rs.5740	20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent of the allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs.860 per month.
Above Rs.5740	15 percent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of the allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs. 1150 per month and a maximum of Rs. 2400 per month.

c) In respect of employees (both officers and workmen) other than part-time employees retiring on or after 1.4.1998:-

<u>Scale of pay per month</u>	<u>Amount of monthly Family Pension</u>
(1)	(2)
Upto Rs. 4040	30 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.1015 per month.
Rs.4040 to Rs.8080	20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.1212 per month.
Above Rs.8080	15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.1616 per month and more than Rs. 3378 per month.

Notes:

(1) Dearness relief is not payable on additional family pension.

(2) Scale of pay for the purpose of calculation of family pension as above shall be the aggregate of 'Pay' as defined in sub-clause (s) of regulation 2 and "allowances" as defined in the explanation to sub-regulation (3) of regulation 35.

(3) In the case of a part-time employee, the minimum amount of family pension and maximum amount of family pension shall be in proportion to the rate of scale wages drawn by the employee.

(4) In case the aggregate of basic family pension and additional family pension falls short of minimum pension the pensioner may be given minimum family pension and dearness relief may be paid on such minimum family pension. However, no additional family pension shall be payable over and above the minimum family pension.

38. The Appendix IV to the Pension Regulations shall be substituted by the following:—

Appendix IV

(See Regulation 27)

Actual service on scale wages rendered on permanent part-time basis in one week	Length of corresponding qualifying service for each year of service rendered on permanent part-time basis for calculating the amount of pension
---------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

(1)**(2)**

six hours or more but upto 13 hours;	one third of a year
more than 13 hours upto 19 hours;	one half of a year
more than 19 hours but upto 29 hours;	three fourth of a year
more than 29 hours;	one year

40. In Pension Regulations following new Appendix V shall be inserted:-

Appendix V

(See Regulation 39)

The formula for computing basic family pension and additional family pension in respect of employees who were in the service of the Bank on or after the 1st day of January, 1986 and had died while in service on or before the 31st day of October, 1987 or had retired on or before the 31st day of October, 1987 but died shall be as under:-

(1) Basic Family Pension

- | | |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| (A) Pay drawn by the deceased employee at the time of death/retirement | Rs. |
| (B) Basic family pension at the ordinary rates as per Table given below | Rs. |
| (C) Dearness Relief at index 600 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100 as per Table I given in Appendix I on basic family pension Calculated at (B) above. | Rs. |
| (D) Updated basic family pension i.e. (B)+(C) | Rs. |
| (E) Updated basic family pension as per (D) above (rounded off to next higher rupee) | Rs. |
| (F) Basic family pension at one and half times or twice the updated basic family pension as the case may be of (D) above (rounded off to next higher rupee) | Rs. |

(2) Additional Family Pension

Special allowance to the extent of the amount ranking for making contributions to the Provident Fund in terms of the Bipartite Settlement dated 10.4.1989/Officers' Service Regulations corresponding to the special allowance drawn before retirement/death shall be reckoned for the purpose of additional family pension.

Note:

- (1) Dearness relief is not payable on additional family pension.
- (2) In case the aggregate of updated basic family pension and updated additional family pension falls short of Rs. 375, the pensioner may be paid Rs. 375/- with dearness relief thereon in which case no updated additional family pension shall be payable.

TABLE

Pay Range	Amount of Family Pension
Below Rs. 664/-	30 per cent of 'pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs.100/- and maximum of Rs. 166/-.
Rs.664/- and above but below Rs.1992/-	15 per cent of 'pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs.166/- and maximum of Rs. 266/-
Rs.1992/- and above	12 per cent of 'pay' shall be the basic family pension plus 12 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs.266/- and maximum of Rs. 415/-

JYOTI GHOSH, Managing Director

[ADVT. III/4/Exty./191-H/14]